शांत में रहना,आवाज़ में नही आना,मीठा बोलना
क्योंकि अब टॉकी से मूवी,मूवी से साइलेंस में जाना
इस दुनिया में कोई भी दैवीगुण वालें नही हो सकते
देवतायें पवित्र होते,दैवीगुण उनमें ही होते
नम्रता और धीरे से बातचीत करनी
दही-अभिमानी हो बाप को आँख खोल याद करना
फर्स्ट जन्म के साथी वो होंगे, जो गुणों और संस्कारो में होंगे बाप के समीप
जो आदि से अंत तक अव्यभिचारी याद में रहे और निर्विघ्न रहे
सर्व सम्बन्धों मेंबाप के साथ का वा समानता का अनुभव करते
साइलेंस की पॉवर से नेगेटिव को पॉजिटिव में परिवर्तन करना

ॐ शांति
मेरा बाबा